WORLD AIDS DAY 2019

COMMUNITIES *make the difference*

1st December 2019
Kedarnath Sahni Auditorium, New Delhi

NACO
National AIDS Control Organisation
India's Voice against AIDS
Ministry of Health & Family Welfare, Government of India
www.naco.gov.in

नाको
समाचार

अक्टूबर – दिसंबर 2019
खंड X अंक 18 (I)

Beti Bachao Beti Padhao
स्वच्छ भारत
एक कदम स्वच्छता की ओर
Chalo Banaayein Swasth Bharat
AIDS Helpline 1097

अनुक्रमणिका

कार्यक्रम

विश्व एड्स दिवस 2019 का अवलोकन *#CommunitiesMakeTheDifference* 03
राष्ट्रीय स्वैच्छिक रक्तदान दिवस का अवलोकन 07
एस.टी.आई. / आर.टी.आई. प्रबंधन 2019 पर राष्ट्रीय परामर्शी पाठ्यक्रम 08
ब्राउन – बैग श्रृंखला पर सुश्री श्रुता रावत द्वारा बातचीत 09
उन्नाव महामारी विज्ञान पर जांच के मुख्य निष्कर्ष 09
ब्राउन – बैग श्रृंखला पर डॉ. बीना ई. थॉमस द्वारा बातचीत 10
मिज़ोरम में एड्स प्रतिक्रिया में बढ़ोतरी 11
राष्ट्रीय ई.एम.टी.सी.टी. कार्यशाला – फास्ट ट्रैकिंग ई.एम.टी.सी.टी. 2020 12
बुनियादी सेवा प्रभाग, 2019 की राष्ट्रीय समीक्षा 13
एच.आई.वी. / एड्स (पी एन्ड सी) 2017, अधिनियम पर राज्य परामर्श 13
पी.एल.एच.ए. के लिए ज़िन्दगी एप का प्रक्षेपण 14
एच.आई.वी. / एड्स के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए तमिल नाडू एस.ऐ.सी.एस. द्वारा एक माह कैम्पेन का आयोजन 15
पश्चिम बंगाल में 'अपनी एच.आई.वी. स्थिति को जाने' कैम्पेन का आयोजन 15

समारोह

एच.आई.वी. / एड्स के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए सवाई मान सिंह स्टेडियम में मैत्री मैच का आयोजन 16
एच.आई.वी. ग्रस्त बच्चों के लिए आनंद मेले का आयोजन – एम.डी.ऐ.सी.एस. 17
एच.आई.वी. ग्रस्त विधवाओं के लिए आरोग्य मेले का आयोजन – एम.डी.ऐ.सी.एस. 17
उत्तर प्रदेश में विश्व एड्स दिवस 2019 का अवलोकन 18
हरियाणा में विश्व एड्स दिवस 2019 का अवलोकन 19
राजस्थान में विश्व एड्स दिवस 2019 का अवलोकन 20
गोवा में विश्व एड्स दिवस 2019 का अवलोकन 20
हिमाचल प्रदेश में विश्व एड्स दिवस 2019 का अवलोकन 22
गेल इंडिया के अधिकारियों के लिए पुदुचेरी एस.ऐ.सी.एस. द्वारा संवेदीकरण सत्र का आयोजन 22
उत्तराखंड एस.ऐ.सी.एस. द्वारा राष्ट्रीय स्वैछिक रक्तदान दिवस का आयोजन 23

विश्व एड्स दिवस 2019 का अवलोकन
#CommunitiesMakeTheDifference

सरकार की एच.आई.वी. / एड्स प्रतिक्रिया को मज़बूत करने और एच.आई.वी. संक्रमित और प्रभावित लोगों को उपचार प्रदान करने की प्रतिबद्धता प्रदर्शित करने के लिए हर साल 1 दिसंबर को विश्व एड्स दिवस मनाया जाता है। विश्व एड्स दिवस लोगों को एच.आई.वी. के विरुद्ध लड़ाई में एकजुट होने, एच.आई.वी. ग्रस्त लोगों को समर्थन देने और एच.आई.वी. के कारण अपना जीवन खो चुके लोगों को याद करने का अवसर प्रदान करता है। विश्व एड्स दिवस पर राज्य एड्स संस्थाओं ने जागरूकता गतिविधियों का आयोजन किया और इनमें अनेक समुदाय, गैर सरकारी संगठन, युवाओं आदि ने भाग लिया। राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार का शीर्ष भाग है और राष्ट्रीय स्तर पर एक मेगा इवेंट का आयोजन करता है।

नाको ने केदारनाथ साहनी सभागार में एक कार्यक्रम आयोजित किया जिसका विषय था कम्युनिटीज़ मेक दी डिफ़रेंस। माननीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री श्री हर्ष वर्धन ने समारोह को सम्बोधित किया। समारोह में लगभग 2000 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया जिसमें नागरिक समाज संगठनों के प्रतिभागी, केंद्रीय सरकारी अस्पतालों के सदस्य, सामुदायिक सदस्य, सी.आई.एस.एफ. कर्मी, स्कूलों और कॉलेजों के छात्र, एन.वाई.के.एस. के स्वयंसेवक, गैर सरकारी संगठनों से पी.एल.एच.आई.वी. प्रतिनिधि, द्विपक्षीय और बहुपक्षीय डेवलपमेंट पार्टनर्स और विभिन्न सरकारी विभागों के अधिकारियों ने हिस्सा लिया। डॉ. अरुण कुमार पांडा, सचिव एम.एस.एम.ई. और सचिव (प्रभारी), स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, श्री संजीव कुमार, विशेष सचिव औरं महानिदेशक, नाको और एन.टी.ई.पी., श्री आलोक सक्सेना, संयुक्त सचिव, नाको डॉ. बिलाली कमारा, देश समन्वयक, यू.एन.एड्स और डॉ. हेन्क बेकेडम, डब्ल्यू.एच.ओ प्रतिनिधि (भारत) समारोह में उपस्थित थे।

"आज के समय में रणनीतियों को सुधारना और उन्हें अनुकूल बनाना सबसे महत्वपूर्ण है। नाको ने पारंपरिक रोकथाम रणनीतियों का इस्तेमाल करते हुए नए लक्ष्यों को प्राप्त किया है। एड्स की रोकथाम, उपकरणों के संयोजन और उसे समाप्त करने के लिए आवश्यक तरीकों पर नाको का ध्यान केंद्रित किया है। इन गतिविधियों के दौरान, नाको ने समुदाओं को केंद्र पर रखा है जो भारत में एड्स नियंत्रण कार्यक्रम को विशिष्टता प्रदान करता है।"

विश्व एड्स दिवस का आयोजन इसलिए ज़रूरी है क्योंकि वह समाज को याद दिलाता है कि अबतक एड्स को जड़ से मिटाया नहीं गया है। जागरूकता बढ़ाने, पूर्वाग्रह से लड़ने और शिक्षा में सुधार करने की एक महत्वपूर्ण आवश्यकता है। इतिहास में वापस देखें तो 1988 में आयोजित विश्व एड्स दिवस दुनिया का पहला स्वास्थ्य दिवस था।

प्रतिभागियों के साथ अपने विचार साझा करते हुए माननीय स्वास्थ्य मंत्री ने प्रतिभागियों से अपील कि "आइये हम हमारे विचार, कार्य और व्यवहार में एच.आई.वी. और एड्स ग्रस्त लोगों के खिलाफ मौजूद किसी भी तरह के भेदभाव को दूर करें। और ऐसी अनेक बीमारियों से जूझ रहे लोगों के साथ किसी भी तरह का भेदभाव न करें।"

माननीय स्वास्थ्य मंत्री ने साथी समुदायों के एड्स के खिलाफ विलक्षण योगदान, बीमारी के बारे में जानकारी फैलाने, गलत सूचना, भय और आशंका को हटाने और लोगों तक नाको की परीक्षण और उपचार सेवाएँ पहुँचाने में मदद के लिए सराहना की। उन्होंने यह भी याद दिलाया कि यकीनन एड्स एवं एच्.आई.वी. के खिलाफ लड़ाई में एक लम्बा सफर तय किया गया है लेकिन अभी भी बहुत कुछ प्राप्त करना बाकी है ताकी 2030 तक देश को एच.आई.वी. / एड्स और इससे जुड़े भेदभाव से मुक्त किया जा सके।

माननीय स्वास्थ्य मंत्री ने रेड – रिबन क्लबों के विभिन्न प्रतिनिधियों को भी सम्मानित किया जिन्होंने देश भर के युवा समुदाय को एकजुट किया है। 1200 से अधिक रेड रिबन क्लबों ने इस सामूहिक प्रयास में योगदान दिया है। कार्यक्रम के दौरान दो पी.एच.एल.वी. सदस्यों ने बीमारी से उभरने और नाको एवं अन्य संगठनों से मिली सहायता के अपने अनुभव भी साझा किये।

समारोह में नाको मोबाइल ऐप, टी.आई. एन.जी.ओ, नाको के लिए नई आई.ई.सी. सामग्री, नाको कैलेंडर–2020, एच.आई.वी. प्रबंधन पर निजी चिकित्सकों के लिए व्यापक मॉड्यूल, माननीय स्वास्थ्य मंत्री द्वारा लॉन्च किये गए।

श्री संजीव कुमार, विशेष महासचिव और महानिदेशक, नाको और एन.टी.ई.पी. माननीय एच.एफ.एम डॉ. हर्षवर्धन का विश्व एड्स दिवस कार्यक्रम में स्वागत करते हुए

डॉ. शोबीनी राजन, ए.डी.जी. नाको माननीय स्वास्थ्य मंत्री का स्वागत करते हुए

माननीय स्वास्थ्य मंत्री, डॉ. हर्षवर्धन ने नाको और डवलपमेन्ट पार्टनर्स के द्वारा लगाए स्टालों का भ्रमण किया

दीप प्रज्वलन के साथ माननीय स्वास्थ्य मंत्री, डॉ. हर्षवर्धन द्वारा समारोह का प्रारम्भ

एच.आई.वी. / एड्स के उपचार के लिए निजी चिकित्सकों के लिए व्यापक मॉड्यूल, 2019 का उद्घाटन

नाको 2020 कैलेंडर का उद्घाटन

टी.आई. एन.जी.ओ के लिए नई आई.ई.सी. सामग्री का उद्घाटन

माननीय स्वास्थ्य मंत्री, डॉ. हर्षवर्धन वरिष्ठ गणमान्य व्यक्तियों और पॉजिटिव स्पीकर्स, सुश्री मोना बलानी और श्री प्रसाद के साथ

डॉ ज्योतिका चीमा, नाको

राष्ट्रीय स्वैच्छिक रक्तदान दिवस का अवलोकन

'जीवनकाल में कम से कम एक बार रक्तदान करें 'थीम को बढ़ावा देकर 100% स्वैछिक रक्तदान तक पहुंचना।

स्वैच्छिक, गैर–पारिश्रमिक रक्त दाता एक आशंकित रक्त प्राप्तकर्ता के लिए सबसे अच्छा आश्वासन है कि जो रक्त उसे दिया गया है वह सुरक्षित और उच्च गुणवत्ता का है। 2018–19 में, देश ने लगभग 12.4 मिलियन रक्त इकाइयों को एकत्र किया है जो दक्षिण पूर्वी एशिया क्षेत्र में रक्त के संग्रह का लगभग दो तिहाई हिस्सा है। लेकिन भारत को आत्मनिर्भर बनने और स्वयं की रक्त और रक्त घटक की मांग को पूरा करने के लिए कम से कम 2 मिलियन इकाइयों की आवश्यकता और है। राष्ट्रीय स्वैच्छिक रक्त दान दिवस चंडीगढ़ के स्वर्गीय डॉ. जे.जी. जॉली की जन्मतिथि पर मनाया जाता है जो भारत में ट्रांसफ्यूज़न मेडिसिन के क्षेत्र में अग्रणी थे।

इस मांग के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए राष्ट्रीय स्वैच्छिक रक्तदान दिवस माननीय स्वास्थ्य मंत्री डॉ. हर्षवर्धन

और माननीय राज्य मंत्री, श्री अश्विनी कुमार चौबे की उपस्थिति में 1 अक्टूबर, 2019 को निर्माण भवन में मनाया गया। माननीय स्वास्थ्य मंत्री ने रक्तदान शिविर का उद्घाटन किया और प्रतिभागियों से वर्ष में कम से कम एक बार रक्तदान करने की अपील की। श्री संजीव कुमार, विशेष सचिव और महानिदेशक, नाको और एन.टी.ई.पी., श्री आलोक सक्सेना, संयुक्त सचिव, नाको और स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय और नाको के वरिष्ठ अधिकारियों और दिल्ली राज्य एड्स कंट्रोल सोसाइटी के अधिकारियों ने भाग लिया। अन्य वरिष्ठ अधिकारी, एम.ओ.एच.एफ.डब्लू और दिल्ली एस.ए.सी.एस भी प्रतिस्पर्धा मौजूद थे। उन्होंने स्वैच्छिक रक्तदान के महत्व पर ज़ोर दिया ताकि रोगियों के लिए सुरक्षित रक्त की विश्वसनीय आपूर्ति हो सके।

राष्ट्रीय स्वैच्छिक रक्तदान दिवस की झलकियां

डॉ साईप्रसाद भावसार, नाको

एस.टी.आई. / आर.टी.आई. प्रबंधन 2019 पर राष्ट्रीय परामर्शी पाठ्यक्रम

बेसिक सर्विस डिवीजन, नाको ने "एस.टी.आई. / आर.टी.आई. प्रबंधन सिफ़लिस सहित" विषय पर 23 – 24 दिसंबर, 2019, को नई दिल्ली में दो दिन के राष्ट्रीय परामर्श – सह–क. ार्यशाला का आयोजन किया है। इसके मुख्य उदेशय थे प्रस्ताव चुनौतियों का आंकलन, कार्यक्रम और भागों में सामंजस्य, क्षेत्र स्तर पर सिफिलिस के राष्ट्रीय दिशानिर्देशों का आंकलन और एस.टी.आई. / आर.टी.आई. प्रबंधन में आने वाली चुनौतियों को दूर करने के प्रस्ताव पर एक साथ कार्य करना। विलियम.जे.क्लिंटन फाउंडेशन के समर्थन से इस कार्यशाला का आयोजन किया गया। नाको और विकास डव्लपमेंट पार्टनर्स के अधिकारियों ने कार्यशाला में भाग लिया।

बी.एस.डी., नाको

ब्राउन–बैग श्रृंखला पर सुश्री श्रुता रावत द्वारा बातचीत

राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन क्षमता निर्माण के लिए विभिन्न गतिविधियाँ करता है। अंतर संस्थागत सहयोग और क्षमता निर्माण की भावना के अनुरूप, ब्राउन – बैग श्रृंखला की शुरुआत कार्यक्रम प्रबंधक, नाको, डव्लपमेंट पार्टनर्स और एच.आई.वी. / एड्स में नए विकास पर हितधारकों को सूचित करने, ज्ञान में वृद्धि और निर्माण क्षमता के उदेशय से 2016 में की गई थी। श्रृंखला के अंतर्गत, श्री आलोक सक्सेना, संयुक्त सचिव, नाको की अध्यक्षता में "डिमिस्टिफाइंग द रेनबो' पर एक बातचीत का आयोजन किया गया। एल.जी.बी.टी.क्यू + समुदाय की पहचान और उनकी चुनौतियों के ज़मीनी परिप्रेक्ष्य पर श्रुति रावत, हमसफ़र ट्रस्ट, मुंबई द्वारा 17 दिसंबर, 2019 को नाको, नई दिल्ली में चर्चा आयोजित की गई । वरिष्ठ अधिकारी, नाको के प्रोग्राम मैनेजर, पार्टनर्स, सभ्य समाज और समुदाय के प्रतिनिधियों ने चर्चा में भाग लिया।

नेहा कपूर, नाको

उन्नाव महामारी विज्ञान पर जांच के मुख्य निष्कर्ष

राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन ने उत्तर प्रदेश राज्य एड्स नियंत्रण समाज के साथ सहयोग में और भारतीय चिकित्सा परिषद, दिल्ली एवं राष्ट्रीय एड्स अनुसंधान संस्थान, पुणे के माध्यम से एक जांच की शुरुआत की है। जांच का उदेश्य उन्नाव जिले में एच.आई.वी. के मामलों में अचानक वृद्धि के पीछे के कारणों को समझना था जिसे 2017–2018 में मीडिया में रिपोर्ट किया गया था। एच.आई.वी. से जुड़े कारणों को समझने के लिए यह जांच की गयी थी। 33 मामले और 125

दाखिले हुए थे। नवंबर 2017 – अप्रैल 2018 के दौरान तीन स्थान: प्रेमगंज, करीमुद्दीनपुर और चकमेरापुरीन बंगरमऊ ब्लॉक, उन्नाव में व्यक्तिगत मामलों में एच.आई.वी. का पता चला था। भौगोलिक स्थानों से मिले नियंत्रण स्वास्थ्य शिविरों में या आई.सी.टी.सी केंद्रों में परीक्षण के बाद एच.आई.वी. नकारात्मक निकले। प्रतिभागियों से विभिन्न जोखिम तरीकों और आक्रामक उपचार प्रक्रियाओं के बारे में सवाल पूछे गए। उनका एच.आई.वी. और अन्य जैव – मार्कर के लिए भी परीक्षण किया गया था जो असुरक्षित इंजेक्शन और यौन एक्सपोजर जैसे एच.बी.एस.ए.जी, एंटी–एच.सी.वी. एंटीबॉडी (एच.सी.वी एबी), एच.सी.वी. आर.एन.ए., एच.एस.वी – 2 आई.जी.जी. और आर.पी.आर. को दर्शाते हैं।

जाँच का निष्कर्ष इस प्रकार है:

1. एच.आई.वी. (पी.एल.एच.आई.वी) के साथ रहने वाले लोगों के बीच 'असुरक्षित इंजेक्टिंग अभ्यास' का प्रयोग करना बहुत अधिक था।
2. एच.आई.वी सीरो–रिएक्टिव व्यक्तियों में एच.सी.वी. एबी की उच्च उपस्थिति।
3. एच.एस.वी. – 2 सीरो–रिएक्टिविटी के मामलों के साथ–साथ नियंत्रणों ने असुरक्षित यौन संबंधों को एच.आई.वी. और एच.सी.वी. संक्रमण की मान्य घटना के तौर पर खारिज करने में मदद की।
4. असुरक्षित इंजेक्शन और असुरक्षित यौन संबंधों के सरोगेट मार्कर के रूप में एच.सी.वी. और एच.एस.वी. – 2 एंटीबॉडी के उपयोग में मदद की।
5. उन्नाव में मामलों से एकत्र किए गए एच.आई.वी. नमूनों के फिलाजेनेटिक विश्लेषण से पता चला कि वे मोनोफैलेटिक थे और उनका एक सामान्य पूर्वज था।

निष्कर्षों के आधार पर, भविष्य में निम्नलिखित निर्देशों की सिफारिश की जाती है:

1. केयर सेटिंग्स में असुरक्षित इंजेक्टिंग अभ्यास की पॉकेट्स की पहचान की आवश्यकता।
2. माता–पिता से संचारित एच.आई.वी., एच.सी.वी. और हेपेटाइटिस बी जैसे सूक्ष्म जीवों के संचरण की क्षमता को कम करने के लिए अध्ययन क्षेत्र में तत्काल हस्तक्षेप शुरू करने की आवश्यकता है।
3. भविष्य के समुदाओं पर आधारित अध्ययन की बढ़ती मांग।
4. पी.एल.एच.आई.वी. में एंटी–रेट्रोवायरल थेरेपी के खराब पालन से जुड़े कारकों की पहचान करना।
5. एच.सी.वी–आर.एन.ए के साथ पहचाने गए लोगों के लिए हेपेटाइटिस सी उपचार का संचालन।
6. ऐसे सभी प्रयासों में समुदाय को सक्रिय रूप से शामिल करना।

विनीता वर्मा, नाको

ब्राउन–बैग श्रृंखला पर डॉ. बीना ई. थॉमस द्वारा बातचीत

राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन अपनी क्षमता निर्माण के हिस्से के रूप में विभिन्न गतिविधियाँ करता है। अंतः संस्थागत सहयोग और क्षमता निर्माण की भावना के अनुरूप, ब्राउन–बैग श्रृंखला की शुरुआत कार्यक्रम प्रबंधक, नाको, विकास भागीदारों और एच.आई.वी / एड्स में नए विकास पर हितधारकों को सूचित करने, ज्ञान में वृद्धि और निर्माण क्षमता के उदेशय से 2016 में की गयी थी। श्रृंखला के अंतर्गत, श्री आलोक सक्सेना, संयुक्त सचिव, नाको की अध्यक्षता के अंतर्गत,

'मनोसामाजिक चुनौतियों की वजह से हो रहे यौन जोखिम और बढ़ती एस.टी.आई. को चुनौती' पर डॉ. बीना ई. थॉमस, एन.आई.टी.आई., चेन्नई द्वारा 9 दिसंबर, 2019 को नाको, नई दिल्ली में चर्चा की गयी। वरिष्ठ अधिकारी, नाको के प्रोग्राम मैनेजर, पार्टनर्स, संबंधित समुदाय के प्रतिनिधियों ने चर्चा में भाग लिया।

नेहा कपूर, नाको

मिज़ोरम में एड्स प्रतिक्रिया में बढ़ोतरी

ऐज़वाल में एकीकृत कार्य योजना की प्रगति पर समीक्षा बैठक

मिज़ोरम के सरकारी अधिकारियों, नागरिक समाजों के प्रतिनिधि, आस्था आधारित संगठन और कार्यान्वयन भागीदारों के साथ एकीकृत कार्य योजना की प्रगति पर दो दिवसीय समीक्षा बैठक का आयोजन ऐज़वाल में 5 और 6 दिसंबर, 2019 को प्रोजेक्ट सनराइज़ (सी.डी.सी समर्थित FHI–360 हस्तक्षेप) के समर्थन से हुआ।

समीक्षा बैठक की अध्यक्षता श्री संजीव कुमार, विशेष सचिव और महानिदेशक, नाको और एन.टी.ई.पी., श्री आलोक सक्सेना, संयुक्त सचिव, नाको और नाको के अधिकारियों की टीम ने की। वायरल हेपेटाइटिस और टीबी प्रोग्राम, स्वास्थ्य और परिवार मंत्रालय ने भी कार्यक्रम में भाग लिया और मामले की प्रतिक्रिया की तत्काल आवश्यकता पर ज़ोर दिया।

डॉ. आर. लालथंगलिया, माननीय मंत्री, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण विभाग, मिज़ोरम सरकार, ने मुख्य अतिथि के रूप में उद्घाटन सत्र आयोजित किया। राजनीतिक नेतृत्व का प्रदर्शन करते हुए माननीय मंत्री ने मिज़ोरम में एड्स के विरुद्ध प्रतिक्रिया की वृद्धि के लिए मिज़ोरम के स्वास्थ्य बजट में विशेष धन आवंटन की घोषणा की।

समारोह में श्री एच. लालेंगमाविया (स्वास्थ्य सचिव, मिज़ोरम सरकार), मिशन निदेशक एन.एच.एम, परियोजना निदेशक एस.ए.सी.एस, निदेशक स्वास्थ्य सेवाएं, उत्तर पूर्व परिषद के प्रतिनिधि, यंग मिज़ो एसोसिएशन (वाय.एम.ऐ) के प्रतिनिधि, रेवरेंड, डॉ. के. लालरिंथांगा, चर्च का प्रतिनिधित्व करते हुए, देश निदेशक यू. एन. एड्स, निदेशक सी.डी.सी. डी.जी.एच.टी, और टीम लीडर, संचारी रोग डब्लू.एच.ओ ने नॉर्थ ईस्ट में कार्यक्रम को मज़बूत करने के लिए तकनीकी मार्गदर्शन प्रदान किया।

एकीकृत कार्य योजना:

'एच.आई.वी. प्रहरी निगरानी' रिपोर्ट के माध्यम से और साथ ही प्रोग्रामेटिक डेटा में बढ़ती प्रवृत्तियों को देखते हुए नाको ने मिज़ोरम एस.ए.सी.एस. और अन्य सभी हितधारकों के साथ मिलकर राज्य में एड्स के संदर्भ को समझने के लिए तेजी से क्षेत्र का आकलन करने की प्रक्रिया शुरू की थी।

एक एकीकृत कार्य योजना को विकसित किया गया था। बहु – अनुशासनात्मक टीमों द्वारा भविष्य के विवरण के लिए मिजोरम राज्य सरकार के साथ श्रृंखला की सीख साझा की गई।

यह एकीकृत कार्य योजना मिजोरम में गुणवत्ता उन्मुख और ग्राहक केंद्रित गतिविधियों के द्वारा समग्र एड्स प्रतिक्रिया की मांग करता है। यह योजना राज्य में.एच.आई.वी. / एड्स प्रतिक्रिया गतिविधियों को सजग बनाने के लिए नागरिक समाजों और आस्था आधारित संगठनों के साथ जुड़ने की महत्वपूर्ण रणनीति बताता है।

डॉ प्रदीप कुमार, नाको

राष्ट्रीय ई.एम.टी.सी.टी. कार्यशाला – फास्ट ट्रैकिंग ई.एम.टी.सी.टी. 2020

भारत सरकार देश में सार्वभौमिक मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सुरक्षित करने के लिए प्रतिबद्ध है। सरकार की प्राथमिकताओं में बच्चों के बीच नए एच.आई.वी. और सिफ़लिस के उन्मूलन, उनकी माँ को जीवित रखने और वायरल लोड कम करने के प्रयास शामिल हैं। ई.एम.टी.सी.टी. के लक्ष्यों को 2020 तक प्राप्त करने के लिए निरंतर निगरानी की आवश्यकता है। इसी के चलते नाको ने 15 प्राथमिक राज्यों की पी.एम.टी.सी.टी. पर एक दिन की राष्ट्रीय ई.एम.टी.सी.टी. कार्यशाला का आयोजन 27 नवंबर, 2019 को नई दिल्ली में किया।

बैठक की शुरुआत ई.एम.टी.सी.टी उपकरणों पर एक ओपन हाउस चर्चा से हुई जिसके बाद ई.एम.टी.सी.टी. पर समूहों ने काम किया। राज्यों / संघ राज्य क्षेत्रों को चार समूहों में विभाजित किया गया था और निम्नलिखित विषयों पर चर्चा की गई:

1. एच.आई.वी. जांच और परीक्षण के संदर्भ में ई.एम.टी.सी.टी. कवरेज
2. ए.आर.टी. लिंकेज, स्टाफ की सुविधाओं और प्रशिक्षण की संतृप्ति के संदर्भ में ई.एम.टी.सी.टी. सेवाएं
3. ई.एम.टी.सी.टी. कार्यक्रम की निगरानी और समीक्षा एस.आई.एम.एस, पल्स रिपोर्टिंग

डॉ पी. सुजीत, नाको

बेसिक सर्विस डिवीज़न प्रभाग, 2019 की राष्ट्रीय समीक्षा

नाको के बेसिक सर्विस डिवीज़न ने बुनियादी सेवा गतिविधि पर दो दिन की राष्ट्रीय समीक्षा बैठक का 28 और 29 नवंबर, 2019 को नई दिल्ली में संचालन किया। श्री संजीव कुमार, विशेष सचिव और महानिदेशक, नाको और एन.टी.ई.पी. ने उद्घाटन किया और प्रमुख सन्दर्भ को साझा किया। श्री आलोक सक्सेना, संयुक्त सचिव, नाको और नाको के वरिष्ठ अधिकारी, सभी राज्यों की एड्स नियंत्रण समीतियों के बेसिक सर्विस डिवीज़न के राज्य अधिकारी और विकास भागीदारों के प्रतिनिधियों ने समारोह में भाग लिया।

बैठक का उदेश्य बेसिक सर्विस डिवीज़न के तहत राज्यों की समीक्षा करना, सेवा का विस्तार और डेटा रिपोर्टिंग सिस्टम पर चर्चा करना था। यह बैठक यूनिसेफ, भारत द्वारा समर्थित थी।

डॉ सुधा गोयल, नाको

एच.आई.वी. / एड्स (पी एन्ड सी) 2017, अधिनियम पर राज्य परामर्श

श्री संजीव कुमार, विशेष सचिव एवं महानिदेशक, नाको और एन.टी.ई.पी. के निर्देशों के आधार पर एच.आई.वी. और एड्स के रोकथाम (रोकथाम और नियंत्रण) अधिनियम, 2017 के महत्वपूर्ण प्रावधानों पर जागरूकता के लिए राज्य स्तरीय परामर्श आयोजित किया गया है। विभिन्न लाइन विभागों के प्रतिनिधि, राज्यों की एड्स नियंत्रण समीतियों, सिविल सोसायटी के सदस्य, लॉ कॉलेज, समुदाय के सदस्य, गैर सरकारी संगठन और विकास भागीदारों ने इन परामर्शों में भाग लिया। परामर्श का उद्देश्य है भूमिकाओं और ज़िम्मेदारियों के प्रसार द्वारा अधिनियम के प्रभावी कार्यान्वयन का आश्वासन, राज्य के नियमों के लिए एक समिति का गठन और विशिष्ट आई.ई.सी और जागरूकता सृजन योजना का विकास।

गतिविधि के भाग के रूप में पुदुचेरी ने 13 दिसंबर, 2019 को राज्य के नियमों को तैयार करने के लिए परामर्श बैठक का आयोजन किया। ज़िला कलेक्टर, ज़िला न्यायाधीश, यू.टी.पी.एल.एस.ए, एस.एस.पी (मुख्यालय), परिवहन से आयुक्त, एच.आर.आई/वक्फ, श्रम और सरकारी विभागों के विभिन्न प्रमुख और गैर सरकारी संगठनों / सी.बी.ओ के प्रतिनिधियों ने भी परामर्श में भाग लिया।

पी.एस.ए.सी.एस.

पी.एल.एच.ए. के लिए *ज़िंदगी* एप का प्रक्षेपण

मुंबई डिस्ट्रिक्ट्स एड्स कंट्रोल संस्था (एम.डी.ए.सी.एस) ने सी.डी.सी/वी.एच.एस, और एवेजन प्राइवेट लिमिटेड के सहयोग से *ज़िंदगी* एप का विकास किया है जिससे एच.आई.वी. ग्रस्त लोगों को रोग की जानकारी, प्रेरणा और स्वस्थ व्यवहार को अपनाने के लिए कौशल प्राप्त हो सके। यह एप नए पंजीकृत मरीज़ों के बीच ख़राब स्वास्थ्य और इलाज सम्बंधित अभाव को सम्बोधित करेगी।

श्रीमती किशोरी पेडणेकर, माननीय मेयर, ग्रेटर मुंबई नगर निगम ने एडवोकेट सुहास वाडकर, माननीय उप मेयर, एम.सी.जी.एम श्रीमती शीतल म्हात्रे, माननीय अध्यक्ष, कानून समिति, एम.सी.जी.एमय डॉ. अश्विनी जोशी, माननीय अतिरिक्त नगरपालिका कमिश्नर (डब्लू.एस.), एम.सी.जी.एमय डॉ. पद्मजा केसकर, परियोजना निदेशक, एम.डी.ए.सी.एस और डॉ. श्रीकला आचार्य, अतिरिक्त परियोजना निदेशक, एम.डी.ए.सी.एस की उपस्तिथि में 29 नवंबर, 2019 को ज़िंदगी एप लॉच की।

लोग तीस से भी अधिक थीम, इन्फोग्राफिक्स, और विभिन्न प्रश्नोत्तरियों पर अपने स्मार्ट फोन पर *ज़िंदगी* एप का उपयोग करके वीडियो देख सकते हैं। वीडियो के लिए विषय हैं: लोगों के बीच ज़रूरतों का आकलन, नियमित और आजीवन उपचार, गलतफहमी और कलंक, सुरक्षित व्यवहार और पोषण जिन्हें एनीमेशन पात्रों का उपयोग कर दिखाया जाएगा। ख़राब स्वास्थ्य के प्रारंभिक चरण में मरीजों की पहचान के लिए एप मददगार साबित होगी जिससे नए पंजीकृत रोगियों में चूक में कमी और रोगी केंद्रित परामर्श सुनिश्चित हो पाएगा।

एम.डी.एस.ए.सी.एस.

एच.आई.वी. / एड्स के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए तमिल नाडू एस.ऐ.सी.एस. द्वारा एक माह कैम्पेन का आयोजन

विश्व एड्स दिवस 2019 के उपलक्ष्य में, तमिल नाडू एस.ऐ.सी.एस. ने पूरे राज्य में एक मासिक अभियान का संचालन किया जो 1 दिसंबर, 2019 से शुरू हुआ। अभियान को एक बड़ी सफलता बनाने के लिए, माननीय मुख्यमंत्री का संदेश सभी प्रमुख समाचार पत्रों में प्रकाशित किया गया था।

परियोजना निदेशक, टी.एन.एस.सी.एस ने सभी ज़िला प्रशासन को संबंधित क्षेत्राधिकार में पूर्व प्रचार को बढ़ाने के लिए लिखा। अप्रकाशित क्षेत्रों में जागरूकता उत्पन्न करने के लिए मोबाइल आई.ई.सी. वैनों का उपयोग भी किया गया। दूरदर्शन पर एक लाइव टॉक शो का प्रसारण किया गया। जागरूकता से संबंधित लघु संदेश विभिन्न एफ.एम. स्टेशनों पर स्थानीय भाषा में प्रसारित किये गए।

टी.एन.एस.ए.सी.एस.

पश्चिम बंगाल में 'अपनी एच.आई.वी. स्थिति को जाने' कैम्पेन का आयोजन

पश्चिम बंगाल एस.ए.सी.एस. ने 'अपनी एच.आई.वी. स्तिथि को जाने' विषय पर बी.एस.डी डिवीज़न के सहयोग और ज़िला स्वास्थ्य अधिकारियों (डी.एच.ए) के माध्यम से दिसंबर, 2019 के महीने में आई.ई.सी. अभियान आयोजित किया। यह अभियान पश्चिम बंगाल के प्रमुख रेलवे स्टेशन और बस स्टॉप पर 111 एच.आई.वी. स्क्रीनिंग–एवं–जागरूकता शिविर के माध्यम से आयोजित किया गया था। अभियान का पूर्व प्रचार आई.ई.सी. वैन की मदद से किया गया था। शिविरों में भीड़ जुटाने के लिए लोक मीडिया प्रदर्शन आयोजित किया गया। इन्फोटेनिंग कार्यक्रमों को ए.आई.आर. और निजी एफ.एम. चैनलों पर भी प्रसारित किया गया। सुरक्षित व्यवहार के बारे में जागरूकता उत्पन्न करने के लिए जिला स्तर नेटवर्क, टी.आई. गैर सरकारी संगठन, संबंधित जिले में आशा / ए.एन.एम ने भी अभियान में सक्रिय रूप से भाग लिया।

डब्लू.बी.एस.ए.सी.एस.

एच.आई.वी. / एड्स के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए सवाई मान सिंह स्टेडियम में *मैत्री मैच* का आयोजन

राजस्थान राज्य द्वारा पी.एस. स्पोर्ट्स एजेंसी के सहयोग से 21 दिसंबर, 2019 को *मैत्री मैच* का आयोजन किया गया था। इसका लक्ष्य पी.एल.एच.आई.वी. और अधिकांश जोखिम आबादी के साथ भेदभाव को कम करना और सामान्य जनसंख्या में जागरूकता फैलाना था। टीमों में नाको के सदस्य, पी.एस. स्पोर्ट्स एजेंसी के खिलाड़ी (राष्ट्रीय और रणजी), राजस्थान एस.ए.सी.एस के अधिकारी, सदस्य विभागों के भागीदारों और एच.आई.वी के साथ रहने वाले लोग शामिल थे। चूंकि क्रिकेट एक प्रसिद्ध खेल है, आर.एस.ए.सी.एस. ने इसे राजस्थान में पी.एल.एच.आई.वी. के प्रति कलंक और भेदभाव के खिलाफ जागरूकता पैदा करने के लिए इसे इस्तेमाल किया। *मैत्री मैच* – क्रिकेट संयुक्त रूप से राजस्थान राज्य एड्स नियंत्रण सोसाइटी और पी.एस. स्पोर्ट्स द्वारा आई.डी.बी.आई. बैंक, एच.एल.एफ.पी.पी.टी, सपोर्ट ट्रस्ट, लोटस डेयरी और टेक्समाको रेल एंड इंजीनियरिंग लिमिटेड के सहयोग से आयोजित किया गया था।

एच.आई.वी. ग्रस्त बच्चों के लिए *आनंद मेले* का आयोजन – एम.डी.ऐ.सी.एस.

एम.डी.ए.सी.एस. द्वारा 7 दिसंबर, 2019 को एम.डी.ए.सी.एस. परिसर में एच.आई.वी. ग्रस्त बच्चों के लिए '**आनंद मेला**' नामक एक सूचना कार्यक्रम आयोजित किया गया।

इस अवसर पर प्रसिद्ध मराठी अभिनेत्री श्रीमती चिन्मयी सुमित ने अपना पूरा दिन बच्चों के साथ बिताया।

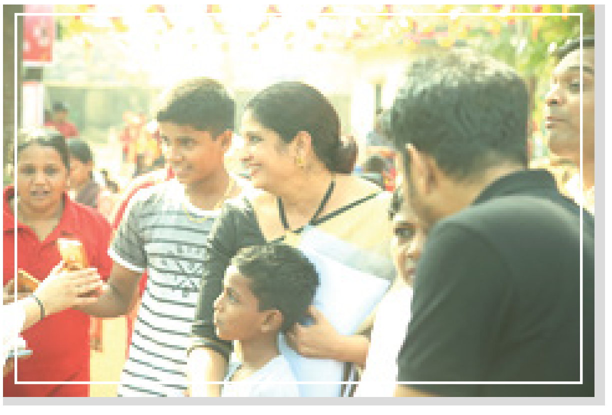

बच्चों ने मराठी विद्या परिषद द्वारा विज्ञान आधारित प्रयोग जैसी इन्फोटेनमेंट गतिविधियों से ज्ञान प्राप्त किया। इस दौरान **मस्ट रेडियो 107.8 एफ.एम** पर वी किड्स रेडियो लाइव कार्यक्रम आकर्षण का केंद्र था।

टैलेंट हंट प्रतियोगिता के सर्वश्रेष्ठ कलाकार ने श्रीमती चिन्मयी सुमित से पुरस्कार प्राप्त किए।

एच.आई.वी. ग्रस्त विधवाओं के लिए *आरोग्य मेले* का आयोजन – एम.डी.ऐ.सी.एस.

एड्स ग्रस्त विधवाओं के लिए 5 दिसंबर, 2019 को एम.डी.ए.सी.एस परिसर में एक 'आरोग्य मेला' आयोजित किया गया। मुंबई में ए.आर.टी. केन्द्रों में उपचार ले रहीं 174 महिलाओं ने इस मेले में भाग लिया। एम.डी.ए.सी.एस. ने विभिन्न सरकारी विभागों के सहयोग से इन महिलाओं की ज़रूरतों को संबोधित किया है और कलंक और भेदभाव से उभरने में सहायता की है। समारोह में विधवाओं के लिए एम.सी.जी.एम. समर्थित 'वित्तीय सहायता योजना' भी लागू करने की घोषणा की गयी। योजना के लाभार्थी समाज के निम्न सामाजिक–आर्थिक और श्रमिकों के कमज़ोर समूह से सम्बंधित हैं।

स्वयं सहायता समूह (एस.एच.जी.), कौशल, आय सृजन, बैंकिंग और कानूनी साक्षरता पर महिला आर्थिक विकास महामंडल (एम.ए.आई.वी.एम), डब्लू.सी.डी. जनवरी शिक्षा संस्थान, श्रमिक विद्यापीठ ज़िला कानूनी सेवा प्राधिकरण (डी.एल.एस.ए) एच.डी.एफ.सी. बैंक और अंबिका योग कुटीर के सहयोग से सूचनात्मक स्टॉल को स्थापित किया गया।

'विधवाओं के लिए एम.सी.जी.एम समर्थित वित्तीय सहायता योजना' पर पत्रक का शुभारंभ

प्रतिभागियों ने विस्तृत जानकारी इकट्ठा करने के लिए प्रत्येक स्टाल का दौरा किया। डी.एल.एस.ए. से उपलब्ध मुफ़्त कानूनी सहायता के बारे में जानकारी पाकर औरतें खुश थी। महिला आर्थिक विकास महामंडल ने स्वयं सहायता समूह के गठन में समर्थन प्रदान किया। जबकि, नियोजन विभाग एम.सी.जी.एम. ने विधवाओं को आय सृजन गतिविधियों में सहायता का आश्वासन दिया। प्रतिभागियों ने अंबिका योग कुटीर द्वारा दिए गए योग प्रदर्शन का उत्साहपूर्वक पालन किया। 'दुःख को पीछे छोड़कर एक सामान्य जीवन जीना' एकता फाउंडेशन द्वारा प्रस्तुत नृत्य का विषय था।

स्वास्थ्य सूची में मौजूद ज़रूरत और व्यक्तिगत स्वच्छता में दिन–प्रतिदिन के उत्पाद प्रतिभागियों को वितरित किए गए।

उत्तर प्रदेश में विश्व एड्स दिवस 2019 का अवलोकन

उत्तर प्रदेश राज्य एड्स नियंत्रण संस्था ने ज़िला और राज्य स्तर पर 'कम्युनिटीज़ मेक दी डिफरेंस' विषय पर 1 दिसंबर, 2019 को विश्व एड्स दिवस मनाया। राज्य स्तर पर प्रदर्शनी स्टॉल, हस्ताक्षर अभियान, लोक प्रदर्शन, रॉक बैंड प्रदर्शन, यू.पी.एन.पी. नेटवर्क के बच्चों का प्रदर्शन, लाल रिबन के आकार में कैंडल लाइट मार्च जैसी गतिविधियां दी रूमी गेट, चौक, लखनऊ में आयोजित की गई। .जिला स्तर पर कई स्वास्थ्य अधिकारियों ने टी.आई. एन.जी.ओ. की मदद से कार्यक्रम आयोजित किए। ज़िला स्तर के नेटवर्क ने स्लम क्षेत्रों, स्कूलों, कॉलेज और सामुदायिक केंद्रों में भी गतिविधियों का आयोजन किया।

रेडियो मिर्ची और रेडियो सिटी जैसे एफ.एम. स्टेशनों पर जागरूकता संदेश प्रसारित किए गए।

श्रीमती कामिनी चौहान रतन, उत्तर प्रदेश एस.ए.सी.एस. के परियोजना निदेशक ने इस कार्यक्रम का उद्घाटन किया और स्टॉलों का दौरा किया।

हरियाणा में विश्व एड्स दिवस 2019 का अवलोकन

विश्व एड्स दिवस के उपलक्ष्य में हरियाणा राज्य नियंत्रण समाज द्वारा एक राज्य स्तरीय समारोह का आयोजन रेड बिशप टूरिस्ट कॉम्प्लेक्स, पंचकुला में किया गया था। श्री ज्ञान चंद गुप्ता, माननीय अध्यक्ष, हरियाणा विधानसभा, आयोजन के मुख्य अतिथि थे। श्री राजीव अरोड़ा, अतिरिक्त मुख्य सचिव, स्वास्थ्य, डॉ. वीणा सिंह, परियोजना निदेशक, डॉ. सुवीर सक्सेना, अतिरिक्त परियोजना निदेशक और स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारी इस अवसर पर उपस्थित थे। माँ से बच्चे के संक्रमण को खत्म करने से जुड़े आई.ई.सी. हस्तक्षेप को मज़बूत करने के लिए पंचकुला और अंबाला से दो वैन को हरी झंडी दिखाई गई।

ये वैन गर्भवती महिलाओं और ग्रामीण क्षेत्रों में आम जनता को एच.आई.वी. और सिफलिस का परीक्षण प्रदान करने का कार्य करेंगी।

राजस्थान में विश्व एड्स दिवस 2019 का अवलोकन

एच.आई.वी. / एड्स के प्रसार का प्रभावी ढंग से मुकाबला करने के लिए, सभी स्तरों पर भागीदारी उत्तेजित करना आवश्यक है। राजस्थान राज्य एड्स नियंत्रण संस्था ने विश्व एड्स दिवस, 2019 में साथी एजेंसियों, कॉलेज के छात्रों, कर्मचारियों सदस्यों, और आम लोगों की भागीदारी सुनिश्चित की थी। हीमा रीपा के इंडोर स्टेडियम में एच.आई.वी. / एड्स के मुद्दे के बारे में जागरूकता पैदा करने और सभी क्षेत्रों से पी.एल.एच.आई.वी. का समर्थन करने के लिए एक राज्य स्तरीय कार्यक्रम आयोजित किया गया। डॉ. के. के. शर्मा, निदेशक, सार्वजनिक स्वास्थ्य इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि थे। डॉ. आर.पी. डोरिया, परियोजना निदेशक ने समारोह की अध्यक्षता की और डॉ. रवि शर्मा, निदेशक एस.आई.एफ.एच. डब्लू. भी समारोह में उपस्थित थे।

एच.आई.वी. / एड्स के मुद्दे पर आयोजित चर्चा की गंभीरता के विपरीत, कॉलेज छात्रों द्वारा प्रस्तुत सांस्कृतिक कार्यक्रम ने चारों ओर एक उत्साहपूर्ण वातावरण बनाया। राज्य में एच.आई.वी. और एड्स के खिलाफ लड़ाई में युवाओं की सक्रिय भागीदारी और दृढ़ संकल्प से उनका उत्साह प्रकट हुआ। एच.आई.वी. / एड्स प्रभावित लोगों और बच्चों ने भी आयोजन में भाग लिया।

गोवा में विश्व एड्स दिवस 2019 का अवलोकन

विश्व एड्स दिवस 2019 मनाने के लिए, गोवा राज्य एड्स नियंत्रण संस्था ने पंजिम, गोवा में रेड रिबॉन वॉकाथॉन का आयोजन किया जिसमें विभिन्न क्षेत्रों के लोग एच.आई.वी. (पी.एल.एच.आई.वी) के साथ रहने वाले लोगों के लिए समर्थन दिखाने के लिए आगे आए और समुदाय को पी.एल.एच.आई.वी. के भेदभाव के खिलाफ बड़े पैमाने पर एकजुट होने के लिए प्रेरित किया।

श्रीमती नीला मोहनन स्वास्थ्य सचिव, गोवा, ने मिरामर सर्कल से वॉकथॉन को रवाना किया। डॉ. शेखर सालकर, सलाहकार सर्जिकल ऑन्कोलॉजिस्ट, मणिपाल अस्पताल, डॉ. ए. सियोना गोम्स, परियोजना निदेशक और गोवा एस.ए.सी.एस. के अन्य अधिकारी भी इस अवसर पर उपस्थित थे।

गोवा स्थित वरिष्ठ भारतीय क्रिकेटर सुश्री शिखा पांडे समारोह की मुख्य अतिथि थीं। लकोरंग कूर्चम के लोक कलाकारों ने भी ई.एस.जी. भवन में नुक्कड़ नाटक के ज़रिये एच.आई.वी. / एड्स के बारे में जागरूकता बढ़ाई।

हिमाचल प्रदेश में विश्व एड्स दिवस 2019 का अवलोकन

हिमाचल प्रदेश एस.ए.सी.एस. ने विश्व एड्स दिवस के मौके पर 1 दिसंबर, 2019 को होटल पीटर ऑफ, शिमला, हिमाचल प्रदेश में राज्य स्तरीय समारोह आयोजित किया। श्री विपिन सिंह परमार, माननीय स्वास्थ्य मंत्री हिमाचल प्रदेश, इस अवसर पर मुख्य अतिथि थे। आयोजन के दौरान, माननीय मंत्री ने 1200 एन.एस.एस. स्वयंसेवकों, एन.सी.सी. कैडेट और स्कूल और कॉलेज छात्रों को हरी झंडी दिखाई। विभिन्न स्कूलों और कॉलेजों के युवाओं द्वारा कई गतिविधियों का संचालन किया गया। माननीय मंत्री जी ने सभी प्रतिभागियों से अनुरोध किया है कि वे किसी के भी साथ उसके एच.आई.वी. स्थिति के आधार पर भेदभाव न करें।

1 से 31 तारीख तक विश्व एड्स दिवस के अवसर पर पूरे राज्य में एक मासिक अभियान आयोजित किया गया था। एच.आई.वी. की रोकथाम पर जागरूकता गतिविधियों के लिए लगभग 30 लाइन विभागों और संगठनों को संगठित किया जाएगा।

गेल इंडिया के अधिकारियों के लिए पुदुचेरी एस.ऐ.सी.एस. द्वारा संवेदीकरण सत्र का आयोजन

गेल भारत के कराईकल कार्यालय में एक संवेदीकरण सत्र आयोजित किया गया। कुल 35 अधिकारियों ने इंटरैक्टिव सत्र में भाग लिया जो गेल के अन्य 4 संयंत्रों से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के ज़रिये जुड़ा था। प्रतिभागियों ने सूत्रधार से अपने प्रश्न और संदेह स्पष्ट किये।

उत्तराखंड एस.ऐ.सी.एस द्वारा राष्ट्रीय स्वैछिक रक्तदान दिवस का आयोजन

राष्ट्रीय रक्तदान दिवस के अवसर पर, 1 अक्टूबर, 2019 को एक स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन उत्तराखंड एस.ए.सी.एस द्वारा मुख्यमंत्री निवास पर किया गया। शिविर का उद्घाटन माननीय मुख्यमंत्री श्री त्रिवेंद्र सिंह रावत द्वारा किया गया। श्री सुनील उनियाल, मेयर–देहरादून नगर निगम, प्रमुख सचिव स्वास्थ्य, परियोजना निदेशक और अतिरिक्त परियोजना निदेशक भी समारोह में उपस्थित थे।

इसके अलावा उत्तराखंड एस.ए.सी.एस के साथ काम करने वाले विभिन्न संगठनों ने उत्तराखंड के विभिन्न स्थानों में रक्त दान शिविर का आयोजन किया।

इन संगठनों को, समाज के लोगों को रक्तदान शिविर के लिए जुटाने हेतु उत्तराखंड के माननीय मुख्यमंत्री द्वारा सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के दौरान शंभव कला मंच द्वारा समारोह में एक लोक प्रदर्शन भी किया गया। मंडली ने स्वैछिक रक्तदान के महत्त्व पर एक नाटक भी प्रस्तुत किया।

सत्यमेव जयते
Ministry of Health & Family Welfare
Government of India

NACO
National AIDS Control Organisation
India's Voice against AIDS
Ministry of Health & Family Welfare, Government of India
www.naco.gov.in

AIDS Helpline 1097
जानें समझें, जुग-जुग जीयें!

Call national toll free Helpline & get correct knowledge of HIV/AIDS

Get 24 x 7 x 365 support from trained & experienced counselors

संरक्षक: श्री संजीव कुमार, विशेष सचिव एवं महानिदेशक (नाको एवं एन.टी.ई.पी.), स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार

संयुक्त सचिव, नाको: श्री आलोक सक्सेना, संयुक्त सचिव, नाको

संपादक: डॉ. नरेश गोयल, उप–महानिदेशक, नाको

संपादकीय पैनल: डॉ. ए. के. पुरी (डी.डी.जी.), डॉ. शोभिनी राजन (ए.डी.जी.), डॉ. राजेश राणा (राष्ट्रीय परामर्शदाता), नाको, डॉ. ज्योतिका चीमा (परामर्शदाता) नाको

नाको समाचार, राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार का सूचनापत्र है।

6वां तल और 9वां तल चंद्रलोक बिल्डिंग, 36 जनपथ, नई दिल्ली–110001। टेलीफोन: 011–43509930, फैक्स: 011–23731746, www.naco.gov.in

संपादन, डिज़ाइन एवं प्रकाशन: द विजुअल हाउस, ईमेल: tvh@thevisualhouse.in

आपके सुझाव हमारे लिए महत्वपूर्ण है, कृपया feedback4naconewsletter@gmail.com पर अपने सुझाव लिखें

http://naco.gov.in/ www.mohfw.nic.in www.pmindia.gov.in www.mygov.in @NACOINDIA

मुफ्त और गुप्त एच.आई.वी. परामर्श और जांच के लिए नज़दीकी सरकारी अस्पताल में परामर्श एवं जांच केन्द्र (आईसीटीसी) से संपर्क करें

सरकारी अस्पतालों में एंटीरेट्रोवायरल थैरेपी चिकित्सा केन्द्रों में एच.आई.वी का नि:शुल्क इलाज उपलब्ध है।